वृष राशि

वृष राशि का स्वामी सूर्य है, वृष राशि वाले व्यक्ति अपने हठ पर दृढ़ रहते हैं। आराम पसन्द रहना अपना धर्म समझते हैं। जीवन का पूवार्द्ध संघर्षपूर्ण, किन्तु उत्तरार्द्ध में सुखमय व उन्नतिशील होते हैं। इनका भाग्योदय २५, २८, ३६ एवं ४२वें वर्ष में होता है। ५, १३, २६, २७ एवं ४५वाँ वर्ष कुछ कष्टदायी होता है। विवाह उपरान्त उनका भाग्योदय होता है।

वर्षारम्भ में राशि स्वामी शुक्र आठवें भाव में है। १२ जनवरी तक होने वाले कार्यों में विलम्ब व बाधाएं रहेंगी। ६ फरवरी से २ मार्च तक शुक्र दशमस्थ गुरु के संचरण होने से पारिवारिक एवं मांगलिक कार्यों में खर्च सम्भव है। २ मार्च से २६ मार्च तक राशि स्वामी शुक्र एकादशस्थ उच्च मीन में रहने से वाहनादि सुख-सुविधओं एवं मनोरंजन के कार्यों पर अधिक खर्च होंगे। २० अप्रैल से १५ मई तक शुक्र के स्वराशिगत होने से रुके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी, फिर भी गुरु के आपकी राशि से दसवें स्थान पर होने से समय काफी संघर्षपूर्ण रहेगा। शत्रु व विरोधियों से बढ़ कर आलोचना या निन्दा का भय है। आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी निकट सम्बन्धी की मृत्यु सम्भव है। मई के बाद गुरु एकादश भाव में आकर आपके सफलता के द्वार खोल देगा। अविवाहितों का विवाह होगा, घर में किसी नये मेजबान के आने की सम्भावना है। काम-काज भी पहले से अच्छी स्थिति में आयेगा। नौकरी में पदोन्नति या इच्छानुसार स्थानान्तरण हो सकता है।

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। इस वर्ष लम्बी दूरी की यात्राएं अल्प ही रहेंगी। समय-समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट प्राप्त करते रहेंगे। अष्टम भाव में राहु की स्थिति के कारण वातजनित रोगों या ज्वर आदि से कष्ट हो सकता है। रक्त दाब, ब्लड सुगर, हृदय जैसी बीमारियों की नियमित जाँच कराते रहें। केतु की स्थिति द्वितीय भाव में होने से परिवार में अशान्ति और क्लेश का वातावरण रहेगा। वर्षारम्भ में तीसरे घर में नीच मंगल के कारण उत्तराधिकार, लेन-देन व अन्य बातों को लेकर विवाद हो सकता है। व्यापारिक तथा कार्य श्रेष्ठ में सफलता मिलेगी। अधिकांश अपने परिश्रम से ही सफलता मिलेगी। जून से नवम्बर तक एकादश भाव में बृहस्पति की स्थिति शुभ-सौभाग्य का सूचक है। सोना-चाँदी-जेवरात आदि का क्रय कर सकते हैं। केतु तीसरे घर में होने से भाई-बन्धुओं से दूर परदेश का जीवन व्यतीत करना पड़ सकता है। सम्बन्धियों एवं मित्रों से सम्बन्ध अच्छे नहीं रहेंगे, ऐसा लगेगा कि सब स्वार्थी ही हैं।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय-

वृष राशि वालों के लिए विशेष उपाय इस प्रकार से है-

1. प्रतिदिन अपनी रोटी में से गाय को रोटी दें।
2. गाय दान, चरी दान भी करें, पहनावे का ध्यान रखें।
3. शुक्रवार के दिन २०० ग्राम गाय का घी या मुश्क, कपूर मन्दिर में दें।
4. पत्नी नंगे पाँव भूमि पर न चले।